Ancient Vedic Mantras and Rituals

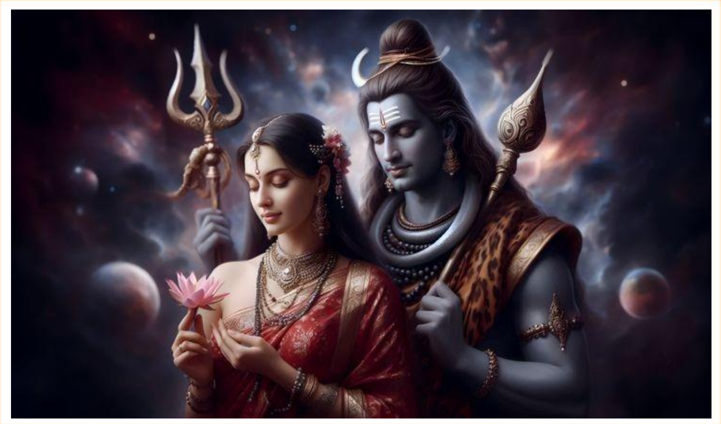

Maha Shivratri 2026: तिथि, पूजा विधि, व्रत कथा और महत्व | PDF

महाशिवरात्रि हिंदू धर्म का अत्यंत महत्वपूर्ण त्योहार है, जो भगवान शिव की विशेष आराधना के लिए मनाया जाता है। यह त्योहार आध्यात्मिक ऊर्जा, भक्ति और तपस्या का प्रतीक माना जाता है।

महाशिवरात्रि 2026 की तिथि

महाशिवरात्रि 2026 रविवार, 15 फरवरी 2026 को मनाई जाएगी।
यह तिथि फाल्गुन मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी पड़ती है।

महाशिवरात्रि क्या है?

महाशिवरात्रि "शिव की महान रात्रि" के रूप में जानी जाती है। यह वह रात मानी जाती है जब भगवान शिव की दिव्य ऊर्जा पृथ्वी पर सबसे अधिक सक्रिय रहती है। इस दिन शिवभक्त उपवास रखते हैं, ध्यान करते हैं और रात्रि जागरण करते हैं।

महाशिवरात्रि क्यों मनाई जाती है?

1. भगवान शिव और पार्वती का विवाह

पौराणिक मान्यता के अनुसार, इस दिन शिव और पार्वती का दिव्य विवाह हुआ था।

2. शिव का तांडव नृत्य

पुराणों के अनुसार, महाशिवरात्रि की रात शिव ने सृष्टि, पालन और संहार का प्रतीक तांडव किया था।

3. समुद्र मंथन में विषपान

समुद्र मंथन से निकले घातक विष (हलाहल) को शिव ने संसार की रक्षा हेतु पिया और नीलकंठ बने।

4. लिंगोद्भव कथा

शिव ने अनंत ज्योति-स्तंभ का रूप धारण कर ब्रह्मा और विष्णु को अपनी महाशक्ति का परिचय दिया। यही कारण है कि शिवलिंग की पूजा इस दिन विशेष रूप से की जाती है।

महाशिवरात्रि 2026 की पूजा विधि

1. सुबह स्नान और संकल्प

दिन की शुरुआत स्नान के साथ करें और शिव पूजन तथा व्रत का संकल्प लें।

2. शिवलिंग अभिषेक

शिवलिंग का अभिषेक निम्न से करें:

- जल
- दूध
- दही
- घी
- शहद
- गंगा जल
- बेलपत्र

इनसे पंचामृत बनाकर शिवलिंग को अर्पित किया जाता है।

3. मंत्र-जाप

मुख्य मंत्र:

ॐ नमः शिवाय

महामृत्युंजय मंत्र

रुद्राष्टक, शिव चालीसा

4. रात्रि जागरण

महाशिवरात्रि की रात जागरण कर चार पहरों में शिव पूजा करना अत्यंत शुभ माना जाता है।

महाशिवरात्रि व्रत कथा

एक पुरानी कथा के अनुसार, एक शिकारी जंगल में शिकार की तलाश में रात बिताने के लिए बेल के पेड़ पर चढ़ गया।

नीचे एक शिवलिंग था, जो उसे दिखाई नहीं दिया। रातभर पेड़ से टूटकर गिर रहे बेलपत्र शिवलिंग पर चढ़ते रहे और शिकारी जागता रहा। यह सब अनजाने में भी शिव पूजा बन गया।
शिव उसकी अनजानी भक्ति से प्रसन्न हुए और उसे मोक्ष प्रदान किया।
यह कथा दर्शाती है कि सच्चा समर्पण अनजाने में भी फल देता है।

महाशिवरात्रि के पौराणिक प्रसंग

1. शिव-पार्वती विवाह

देवी पार्वती की घोर तपस्या के बाद शिव ने विवाह स्वीकार किया और यह शुभ घटना महाशिवरात्रि के दिन हुई।

2. नीलकंठ अवतार

हलाहल विष को पीकर शिव ने संसार की रक्षा की। इस घटना की स्मृति में शिव को नीलकंठ कहा जाता है।

3. लिंगोद्भव कथा

ब्रह्मा और विष्णु के विवाद को समाप्त करने के लिए शिव अनंत ज्योति-स्तंभ के रूप में प्रकट हुए।

महाशिवरात्रि व्रत का महत्व

- मनोकामनाओं की पूर्ति
- मानसिक शांति और आध्यात्मिक उन्नति
- वैवाहिक और पारिवारिक सुख0
- बाधाओं और नकारात्मक ऊर्जा का नाश

- स्वास्थ्य और समृद्धि की प्राप्ति

महाशिवरात्रि 2026 की शुभकामनाएँ

ॐ नमः शिवाय।
भगवान शिव की कृपा से आपका जीवन सुख, शांति और सफलता से भर जाए।

RELATED ARTICLE

Lord Shiv Ji Vrat Katha

Shiv Ji Aarti

THANKS FOR READING

READ MORE RELIGIOUS CONTENT ON

vedicprayers.com

VEDIC PRAYERS